carried out to increase its annual capacity to 6 million tonnes.

It has also been decided to construct, during the Fourth Five Year Plan period, an Outer Harbour at Visakhapatnam, capable of handling deep drafted ore carriers, with handling facilities to cater to an export of about 10 to 12 million tonnes per annum.

"सैमिनार" पत्रिका में राष्ट्रीय ग्रंथालय के बारे में झा समिति के प्रतिवेदन से अंशों का प्रकाशन

8167. **श्री स० च० सामंत:**
सरदार अमजद अली:

क्या **शिक्षा तथा युवक सेवा** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या नई दिल्ली की 'सैमिनार' नामक मासिक पत्रिका में राष्ट्रीय ग्रंथालय के बारे में झा समिति के प्रतिवेदन से अंशों का प्रकाशन किया गया है जबकि इस प्रतिवेदन तथा खोसला समिति के प्रतिवेदन को अभी तक सभा-पटल पर नहीं रखा गया है;

(ख) क्या खोसला समिति के प्रतिवेदन में राष्ट्रीय ग्रंथालय की अध्यक्षता के लिये एक निर्देशक का पद बनाने के बारे में की गई झा समिति की सिफारिश का समर्थन किया गया है और

(ग) क्या खोसला प्रतिवेदन में भी श्री केसवन द्वारा ग्रंथालय के ऊंचे अधिकारियों के पारस्परिक सम्बन्धों को बिगाड़ने से सम्बंधित अवांछित कार्य की आलोचना की गई है ?

शिक्षा तथा युवक सेवा मंत्रालय में उप मंत्री (श्रीमती जहानआरा जयपाल सिंह): (क) जी हां। नई दिल्ली की 'सैमिनार' मासिक पत्रिका ने हमारे पुस्तकालय नामक फरवरी, 1970 के अपने अंक में राष्ट्रीय पुस्तकालय के बारे में झा समिति की रिपोर्ट में से कुछ पंक्तियों को दोहराया है और झा समिति की कुछ सिफारिशों का हवाला दिया है तथा उन पर विचार विनिमय किया है। ये सिफारिशें, लगभग उन सिफारिशों के सारांश में आ जाती है जो राज्य सभा में 26 नवम्बर, 1969 को दिये गये प्रश्न संख्या 217 के उत्तर और लोक सभा में 27 फरवरी, 1970 को दिये गये अतारांकित प्रश्न संख्या 905 के उत्तर में पेश कर दी गई हैं।

(ख) और (ग). इस बारे में लोक सभा में 3 अप्रैल, 1970 को दिये गये अतारांकित प्रश्न संख्या 4997 के उत्तर की ओर ध्यान आकर्षित किया जाता है, जिसमें यह कहा गया था कि खोसला समिति ने अपनी रिपोर्ट पेश कर दी है, जो विचाराधीन है और इस स्तर पर उसके ब्यौरे देना जन हित में न होगा।

गांधी दर्शन की शिक्षा देने के लिये सर्वोदय साहित्य

8168. **श्री जगेश्वर यादव** : क्या **शिक्षा तथा युवक सेवा** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे :

(क) क्या सरकार ने सस्ते और अच्छे साहित्य के प्रचार और विस्तार के लिये कोई विशिष्ट योजना बनाई है; और

(ख) यदि हां, तो सर्वोदय साहित्य की बिक्री के लिये, जिससे देश में गांधी दर्शन की शिक्षा दी जा सकेगी, सरकार क्या विशिष्ट सुविधाएं देगी ?

शिक्षा तथा युवक सेवा मंत्री (डा०वी०के० आर० वी० राव): (क) जी नहीं। फिर भी 1957 में राष्ट्रीय पुस्तक न्यास इस उद्देश्य को लेकर स्थापित किया गया था कि अच्छे साहित्य का उत्पादन हो और यह वाजिब मूल्यों पर उपलब्ध हो सके। यह न्यास सामान्य व्यापारी माध्यम के जरिए अपनी पुस्तकों के वितरण की व्यवस्था करता है।

(ख) प्रश्न नहीं उठता।